UG/III/HIN/H/VI/18(New)

2018

HINDI

[Honours]

PAPER – VI

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

[NEW SYLLABUS]

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 15×2

   (क) 'यशोधरा' काव्य में विरह-वर्णन अद्वितीय है। इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

   (ख) 'तुलसीदास' कविता की समीक्षा कीजिए।

(*ग*) पठित कविताओं के आधार पर महादेवी वर्मा की रहस्यवादी काव्य-चेतना का मूल्यांकन कीजिए ।

(*घ*) अज्ञेय की कविताओं में प्रयोगशील तत्त्वों का विवेचन कीजिए ।

(*ङ*) नागार्जुन की सामाजिक चेतना पर विचार कीजिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8 × 4

(*क*) पंत की प्रगतिशील चेतना पर विचार कीजिए ।

(*ख*) 'खुरदरे पैर' कविता की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(*ग*) 'भीतर जागा दाता' कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(*घ*) 'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से' कविता के काव्य-सौष्ठव पर विचार कीजिए ।

(*ङ*) मुक्तिबोध की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए ।

(*च*) यशोधरा के व्यक्तित्व के वैशिष्ट्य पर विचार कीजिए ।

(*छ*) निराला की प्रगतिशील चेतना पर विचार कीजिए ।

(*ज*) 'युग की पुकार' कविता के माध्यम से कवि क्या संप्रेषित करना चाहता है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *पाँच* का सप्रसंग व्याख्या लिखिए : 4 × 5

(*क*) जाएँ, सिद्धि पावें वे सुख से,
दुखी न हों इस जन के दुख से,
उपालम्भ दूँ मैं किस मुख से ?

(*ख*) मैं अभी तोलने का करती उपचार स्वयं तुल जाती हूँ,
भुज लता फँसा कर नर-तरु से झूले-सी झोके खाती हूँ।
इस अर्पण में कुछ और नहीं, केवल उत्सर्ग छलकता हैं,
मैं दे दूँ और न फिर कुछ लूँ, इतना ही सरल झलकता है।

(*ग*) लो, यह स्मृति, यह श्रद्धा,यह हँसी,
यह आहूत, स्पर्श-पूत भाव
यह मैं, यह तुम, यह खिलना,
यह ज्वार, यह पलवन,
यह प्यार, यह अडूब उमड़ना-
सब तुम्हें दिया।

(*घ*) नीले नभ के शतदल पर
वह बैठी सारद हँसनी
मृदु कर तर पर शशि मखधुर
नीरव अनिमिष्ट एकाकिनी।

(*ङ*) बड़ी बधिरता दस गुनी, बने संत जन मूक
धन्य धन्य वह, धन्य वह, शासन की बंदूक।

(च) भीमाकार पुलों के बहुत नीचे, भयभीत
मनुष्य-बस्ती के बियावान तटों पर
बहते हुए पथरीलें नालों की धारा में
धराशायी चाँदनी के होंठ काले-पड़ गये ।

(छ) क्या आजादी सिर्फ तीन थके हुए रंगो का नाम है
जिन्हें एक पहिया ढ़ेता है
या इसका कोई खास मतलब होता है ।

(ज) जब जब दुख की रात घिरी तब तब मैं गाता
खुलकर गाता रहा, अंधेरे में स्वर मेरा
और उदात्त हो गया, सीखा नहीं छिपाना
मैंने मन के भाव । देखकर घोर अँधेरा ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं *आठ* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 × 8

(क) 'यशोधरा' के अतिरिक्त नारी भावना पर आधारित मैथिलीशरण गुप्त की एक रचना का नाम लिखिए

(ख) 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं ?

(ग) 'बादल राग' नाम से निराला ने कितनी कविताएँ लिखी हैं ?

(ध) पंत की किस रचना की भूमिका को 'छायावाद का मेनिफेस्टो' कहा जाता है ।

(ङ) साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत महादेवी की रचना का नाम लिखिए ।

(च) अज्ञेय का प्रथम काव्य संग्रह कौन सा है ?

(छ) नागार्जुन का असली नाम क्या है ?

(ज) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' में 'चाँद' किसका प्रतीक है ?

(झ) 'संसद से सड़क तक' किस कवि की रचना है ?

(ञ) 'धरती' किसका काव्य संग्रह है ?

(ट) 'महाप्राण' के नाम से कौन-सा कवि विख्यात है ?

(ठ) प्रयोगवाद के प्रवर्तन का श्रेय किस कवि को दिया जाता है ।